पाठ - 'दो बैलों की कथा' (लेखक: प्रेमचंद)

कार्यपत्रिका - 01

समय: 40 मिनट **पूर्णांक:** 25

SECTION A (वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 1 अंक प्रत्येक)

प्रश्न 1. झूरी के दोनों बैल किस विशिष्ट जाति से संबंध रखते थे?

(क) हरियाणवी

(ख) पछाईं

(ग) मालवी

(घ) साहीवाल

प्रश्न 2. नीचे दिए गए कथन (Assertion) और कारण (Reason) को पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए:

कथन (A): हीरा और मोती ने गया के घर पर हल उठाने से साफ मना कर दिया था।

कारण (R): वे दोनों अत्यधिक कामचोर थे और झूरी के यहाँ कोई काम नहीं करते थे।

- **विकल्प:**
  - (क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ही सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
  - (ख) कथन (A) सही है, परंतु कारण (R) पूरी तरह से गलत है।
  - (ग) कथन (A) गलत है, परंतु कारण (R) सही है।
  - (घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

प्रश्न 3. निम्नलिखित पात्रों का उनके सही स्वभाव/विशेषता से मिलान कीजिए:

सूची I (पात्र)	सूची II (स्वभाव/विशेषता)
1. हीरा	(A) उग्र, साहसी और बदला लेने की प्रवृत्ति वाला
2. मोती	(B) शांत, अत्यधिक सहनशील और नीतिवान
3. गया	(C) संवेदनशील, दयालु और निश्छल
4. छोटी लड़की	(D) संकीर्ण सोच वाला, क्रूर और ईर्ष्यालु

SECTION B (अति लघु उत्तरीय प्रश्न - 2 अंक)

प्रश्न 4. गधे में साधु-संतों (ऋषियों-मुनियों) जैसे अच्छे गुण किस वजह से सबसे ऊँचे स्तर पर दिखाई देते हैं? समझाइए।

उत्तर - .....

.....

.....

SECTION C (लघु उत्तरीय प्रश्न - 3 अंक)

प्रश्न 5. साँड़ के साथ हुए मुकाबले में हीरा और मोती ने अपनी किस संगठित युद्ध-नीति का परिचय दिया?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

प्रश्न 4. गधे में साधु-संतों (ऋषियों-मुनियों) जैसे अच्छे गुण किस वजह से सबसे ऊँचे स्तर पर दिखाई देते हैं? समझाइए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

SECTION D (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न - 5 अंक)

प्रश्न 6. काँजीहौस की आधी दीवार गिर जाने पर भी दोनों गधे क्यों नहीं भागे? मोती ने उनके साथ क्या व्यवहार किया और क्यों?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

SECTION E (HOTS / मूल्य आधारित प्रश्न - 5 अंक)

प्रश्न 7. "स्वतंत्रता सहज ही नहीं मिलती, उसके लिए बार-बार संघर्ष करना पड़ता है।" कहानी के इस केंद्रीय विचार को तत्कालीन भारतीय समाज के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तरकुंजी (कार्यपत्रिका - 1)

- **प्रश्न 1:** सही उत्तर **(ख) पछाईं**।
- **प्रश्न 2:** सही उत्तर **(ख) कथन (A) सही है, परंतु कारण (R) पूरी तरह से गलत है** (क्योंकि वे वफादार और मेहनती थे, कामचोर नहीं)।
- **प्रश्न 3:** सही मिलान: **1-(B), 2-(A), 3-(D), 4-(C)**।
- **प्रश्न 4:** गधे में सुख-दुख, हानि-लाभ, अनुकूल व प्रतिकूल सभी परिस्थितियों में एक समान शांत रहने का स्वभाव है। उसका यही सीधापन और निरापद सहिष्णुता उसे ऋषियों के समान उच्च कोटि में ला खड़ा करती है।
- **प्रश्न 5:** दोनों मित्रों ने सूझबूझ से एक साथ मिलकर (संगठित होकर) दोहरी मार की नीति अपनाई। जब साँड़ हीरा पर झपटता, मोती पीछे से उसके पेट में सींग घुसेड़ देता; और जब वह मोती की तरफ मुड़ता, तो हीरा उस पर वार करता।
- **प्रश्न 6:** गधे अत्यधिक डरपोक और संकोची स्वभाव के थे, उन्हें डर था कि यदि वे भाग गए तो दोबारा पकड़े जाने पर भारी प्रताड़ना मिलेगी। मोती ने अपने मित्र हीरा के बंधन में होने के बावजूद, उन गधों को सींग मार-मारकर बाड़े से बाहर खदेड़ा ताकि बेजुबान जानवरों की जान बच सके।
- **प्रश्न 7:** यह कहानी परोक्ष रूप से भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ी है। जिस प्रकार हीरा-मोती गया की कैद, साँड़ के हमले और काँजीहौस की बेड़ियों को तोड़कर अंत में आज़ाद होते हैं, उसी प्रकार प्रेमचंद तत्कालीन भारतीय जनता को संदेश दे रहे थे कि अंग्रेजी हुकूमत के दमनकारी शासन से मुक्ति पाने के लिए एकजुट होकर निरंतर संघर्ष करना ही एकमात्र मार्ग है।

egyanarchive

गद्य खंड: 'दो बैलों की कथा' (लेखक: प्रेमचंद)

कार्यपत्रिका - 02

समय: 40 मिनट **पूर्णांक:** 25

Section A: वस्तुनिष्ठ प्रश्न (MCQs & Assertion-Reason)

प्रश्न 1. 'बछिया के ताऊ' मुहावरे का प्रयोग कहानी में किस जानवर के लिए और किस अर्थ में किया गया है?

(क) गधे के लिए, अत्यधिक चालाकी के अर्थ में। (ख) बैल के लिए, मूर्खता या सीधेपन के अर्थ में।

(ग) साँड़ के लिए, अत्यधिक पराक्रम के अर्थ में। (घ) बछड़े के लिए, छोटे भाई के अर्थ में।

प्रश्न 2. काँजीहौस में हीरा और मोती ने गधों को बाहर निकालने के लिए क्या किया?

(क) उनके आगे हरी घास डाल दी। (ख) उन्हें अपनी पीठ पर बिठाया।

(ग) सींगों से मार-मारकर बाड़े के बाहर निकाला। (घ) मुख्य द्वार की सांकल खोल दी।

प्रश्न 3. कथन-कारण प्रश्न (Assertion-Reason):

कथन (A): हीरा और मोती ने काँजीहौस की कच्ची दीवार को गिराने का जोखिम उठाया।

कारण (R): वे स्वयं भागने के साथ-साथ वहाँ बंद अन्य असहाय जानवरों को भी आज़ाद कराना चाहते थे।

(क) कथन A सही है, परंतु कारण R गलत है।

(ख) कथन A गलत है, परंतु कारण R सही है।

(ग) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R, कथन A की सही व्याख्या करता है।

(घ) कथन A और कारण R दोनों सही हैं, परंतु कारण R, कथन A की सही व्याख्या नहीं करता है।

प्रश्न 4. निम्नलिखित का सही मिलान (Match the Following) कीजिए:

स्तंभ 'क' (पात्र/तत्व)	स्तंभ 'ख' (गुण/विशेषता)
(1) हीरा	(अ) उग्र, तत्काल विद्रोही स्वभाव
(2) मोती	(ब) अत्यधिक दयालु, संवेदनशील बालिका
(3) गया का साला	(स) शांत, अत्यधिक सहनशील और नीतिवान
(4) भैरव की बेटी	(द) शोषक, संवेदनहीन और अड़ियल मनुष्य

Section B: अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न 5. हीरा और मोती किस विशिष्ट नस्ल या जाति से संबंध रखते थे?

उत्तर - .....

.....

.....

प्रश्न 6. गया के घर में दोनों बैलों को आत्मिक तृप्ति और भोजन रूपी स्नेह किसके माध्यम से मिलता था?

उत्तर - .....

.....

.....

egyanarchive

Section C: लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न 7. "गिरे हुए बैरी पर सींग न चलाना चाहिए" - हीरा के इस कथन के माध्यम से लेखक कौन-से उच्च मानवीय मूल्यों को प्रतिपादित करना चाहते हैं?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

प्रश्न 8. काँजीहौस में बंद जानवरों की स्थिति 'मुरदों' जैसी क्यों हो गई थी? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

Section D: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (LAQ - 4 अंक)

प्रश्न 9. "स्वतंत्रता सहज ही नहीं मिलती, उसके लिए बार-बार संघर्ष करना पड़ता है।" 'दो बैलों की कथा' के मुख्य घटनाक्रमों के आलोक में इस कथन की सविस्तार समीक्षा कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

Section E: रचनात्मक/मूल्य आधारित प्रश्न (HOTS - 5 अंक)

प्रश्न 10. आज के आधुनिक और नगरीय समाज में पशुओं के प्रति बढ़ती संवेदनहीनता को रोकने के लिए 'पशुओं के अधिकार' विषय पर एक प्रभावी संक्षिप्त कार्य-योजना (Action Plan) तैयार कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तरकुंजी (कार्यपत्रिका - 02)

1. **उत्तर:** (ख) बैल के लिए, मूर्खता या सीधेपन के अर्थ में।
2. **उत्तर:** (ग) सींगों से मार-मारकर बाड़े के बाहर निकाला।
3. **उत्तर:** (ग) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R, कथन A की सही व्याख्या करता है।
4. **उत्तर मिलान:** (1) -> (स), (2) -> (अ), (3) -> (द), (4) -> (ब)।
5. **उत्तर:** हीरा और मोती 'पछाई' जाति (नस्ल) के सुंदर और डील-डौल में ऊंचे बैल थे।
6. **उत्तर:** भैरव की छोटी अनाथ बच्ची द्वारा रोज़ रात को खिलाई जाने वाली दो रोटियों से मिलता था।
7. **उत्तर:** लेखक इसके माध्यम से यह संदेश देते हैं कि युद्ध या संघर्ष के भी कुछ नियम और मर्यादाएँ होती हैं। शरणागत या परास्त शत्रु पर वार न करना भारतीय संस्कृति की उदारता और उच्च नैतिकता का प्रतीक है।
8. **उत्तर:** क्योंकि वहाँ बकरियों, घोड़ों, भैंसों को एक सप्ताह तक खाने के लिए चारे का एक तिनका भी नहीं दिया गया था, केवल दिन में एक बार पानी दिखाया जाता था। भूख और कमजोरी के कारण वे खड़े होने में भी असमर्थ थे।
9. **उत्तर:** प्रेमचंद जी ने दर्शाया है कि पराधीनता सबसे बड़ा अभिशाप है। हीरा-मोती को आज़ादी पाने के लिए गया के घर मोटी रस्सियों का दंश सहना पड़ा , हल-जुआ तोड़ना पड़ा , खूंखार साँड़ से जानलेवा युद्ध लड़ना पड़ा और अंत में काँजीहौस की जेल तथा कसाई की छुरी के भय से गुज़रना पड़ा। यह सिद्ध करता है कि आज़ादी के लिए निरंतर त्याग और अनवरत संघर्ष आवश्यक है।
10. **उत्तर: 'पशु अधिकार' कार्य-योजना (Action Plan):** * प्रत्येक आवासीय क्षेत्र में बेसहारा पशुओं के लिए सामुदायिक स्तर पर 'चारा-पानी बैंक' या नाँद की स्थापना करना।
    - काँजीहौस जैसी सरकारी संस्थाओं का नियमित सामाजिक ऑडिट करना ताकि पशुओं को भूखा न रखा जाए।
    - विभिन्न विद्यालयों में बाल-सभाओं के माध्यम से बच्चों में पशु-पक्षियों के प्रति करुणा जगाने वाले विशेष सत्र आयोजित करना।
    - पशु क्रूरता करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ त्वरित कानूनी दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करना।

egyanarchive

गद्य खंड: 'दो बैलों की कथा' (लेखक: प्रेमचंद)

कार्यपत्रिका - 03

समय: 1.5 घंटे **पूर्णांक:** 25

Section A: अपठित गद्यांश एवं भाषा-बोध

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सटीक उत्तर लिखिए: > "मानव और पशु का संबंध सृष्टि के प्रारंभ से ही अत्यंत आत्मीय रहा है। सभ्यता के विकास में मूक पशुओं ने मनुष्य का न केवल आर्थिक बल्कि भावनात्मक स्तर पर भी साथ दिया है। भारत की कृषि संस्कृति तो पूरी तरह गोवंश और बैलों के कंधों पर ही टिकी रही है। परंतु आज का मानव स्वार्थवश इन बेज़ुबान प्राणियों के प्रति निष्ठुर होता जा रहा है। जब तक पशु दुधारू या कर्मठ रहता है, उसे सहलाया जाता है, और बूढ़ा होते ही उसे काँजीहौस या बधिकों के हवाले कर दिया जाता है। यह आधुनिक समाज का सबसे बड़ा नैतिक पतन है। हमें यह स्मरण रखना होगा कि पशुओं में भी पीड़ा, प्रेम और स्वाभिमान की वैचारिक चेतना होती है। गिरे हुए या असहाय जीव की रक्षा करना ही वास्तविक मानवता है।"

प्रश्न 1. गद्यांश के अनुसार, आधुनिक समाज का सबसे बड़ा 'नैतिक पतन' क्या है?

(क) पशुओं से दिन-रात खेतों में काम कराना।

(ख) बूढ़े और अनुपयोगी होते ही पशुओं को कसाई या काँजीहौस के हवाले कर देना।

(ग) पशुओं की मूक-भाषा को न समझना।

(घ) कृषि कार्यों में आधुनिक मशीनों का अत्यधिक प्रयोग करना।

प्रश्न 2. गद्यांश में आए 'निष्ठुर' शब्द का विलोम शब्द पाठ के आधार पर क्या होगा?

(क) अड़ियल (ख) उजड्ड (ग) स्नेही / संवेदनशील (घ) बेतहाशा

प्रश्न 3. व्याकरण प्रश्न (संधि/शब्द भेद): 'अंतर्ज्ञान' और 'सद्गुण' शब्दों का सही संधि-विच्छेद क्या होगा?

(क) अंतः + ज्ञान और सत् + गुण (ख) अंतर + ज्ञान और सद + गुण

(ग) अंत + ज्ञान और साधु + गुण (घ) अंतः + ज्ञान और सदा + गुण

Section B: अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न 4. प्रेमचंद की कहानियाँ किस मुख्य ग्रंथ के कितने भागों में संकलित हैं?

उत्तर - .....

.....

.....

प्रश्न 5. "बंदा तो नौ-दो ग्यारह होता है" - यह कथन मोती से किसने और किस संदर्भ में कहा था?

उत्तर - .....

.....

.....

Section C: लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न 6. झूरी के प्रति बैलों का प्रेम और बैलों के प्रति झूरी का स्नेह, पाठ की किस घटना में सबसे मार्मिक रूप से प्रकट हुआ है?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

egyanarchive

प्रश्न 7. गया के घर से भागते समय हीरा और मोती ने मार्ग में आने वाले किस नैतिक संकट के कारण तुरंत भागने में संकोच किया?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

Section D: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक)

प्रश्न 8. मुंशी प्रेमचंद ने 'दो बैलों की कथा' में परोक्ष रूप से भारतवासियों की तत्कालीन राजनैतिक और सामाजिक स्थिति पर क्या व्यंग्य किया है? सप्रमाण स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

Section E: रचनात्मक/मूल्य आधारित प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 9. "वह अपना धर्म छोड़ दे, लेकिन हम अपना धर्म क्यों छोड़ें!" हीरा के इस कथन के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए कि विकट परिस्थितियों में भी अपने नैतिक मूल्यों पर टिके रहना क्यों आवश्यक है?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तरकुंजी (कार्यपत्रिका - 03)

1. **उत्तर:** (ख) बूढ़े और अनुपयोगी होते ही पशुओं को कसाई या काँजीहौस के हवाले कर देना।
2. **उत्तर:** (ग) स्नेही / संवेदनशील।
3. **उत्तर:** (क) अंतः + ज्ञान (विसर्ग संधि) और सत् + गुण (व्यंजन संधि)।
4. **उत्तर:** प्रेमचंद की कहानियाँ 'मानसरोवर' नामक सुप्रसिद्ध ग्रंथ के आठ (8) भागों में संकलित हैं।
5. **उत्तर:** यह कथन हीरा ने मोती से उस समय कहा था जब सामने से भयानक साँड़ आ रहा था और मोती डरकर भागने का विचार कर रहा था।
6. **उत्तर:** जब बैल पहली बार रस्सी तुड़ाकर वापस झूरी के घर चरनी पर आकर खड़े हुए, तो झूरी ने दौड़कर उन्हें गले लगा लिया। इस 'प्रेमलिंगन और चुंबन' के दृश्य को लेखक ने सबसे मनोहर और मार्मिक कहा है।
7. **उत्तर:** जब अनाथ बालिका ने उनकी रस्सियाँ खोलीं, तो हीरा ने सोचा कि यदि वे तुरंत भाग गए, तो इस क्रूर घर के लोग उस मासूम और अनाथ बच्ची पर ही संदेह करेंगे और उसे प्रताड़ित करेंगे। इस आत्मीय और नैतिक संकट के कारण वे कुछ पल खड़े रहे।
8. **उत्तर:** लेखक ने गधे और सीधेपन की तुलना अफ्रीका-अमरीका में भारतीयों की दुर्दशा से करते हुए ब्रिटिश हुकूमत के दमन पर करारा व्यंग्य किया है। उन्होंने बताया कि भारतीय शराब नहीं पीते, मेहनत करते हैं और अपमान सहकर भी शांत रहते हैं, इसलिए उन्हें असभ्य कहा जाता है। यदि वे भी 'ईंट का जवाब पत्थर से' देना सीख जाते, तो सभ्य कहलाते (जैसे जापान ने विजय पाकर स्थान बनाया)। यह पूरी कहानी परोक्ष रूप से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की चेतना जगाती है।
9. **उत्तर:** हीरा का यह कथन संकट के समय भी मनुष्य (या जीव) को अपने मूल मानवीय सिद्धांतों, दया और धर्म पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है। गया या साँड़ भले ही क्रूरता और अधर्म का मार्ग अपनाएं, परंतु यदि हीरा-मोती भी अपनी मर्यादा छोड़ देते, तो उनमें और क्रूर जीवों में कोई अंतर नहीं रह जाता। विकट परिस्थितियों में हमारे संस्कार और नैतिक मूल्य ही हमारी वास्तविक पहचान और आत्मबल होते हैं, जो समाज में हमें गरिमा दिलाते हैं।

egyanarchive